PREPARATION OF MARKING SCHEME 2016

SOCIOLOGY (039)

Guidelines for Head Examiners and Evaluators

Instructions for Head Examiners –

1. All examiners should read the "marking scheme" carefully and discuss it with the Head Examiner.
2. The Marking Scheme carries only suggested value points for the answers. These are only guidelines and do not constitute the complete answer. The student can have their own expression and if the expression is correct, the marks be awarded accordingly
3. As per the orders of the Hon'ble Supreme Court, the candidates would now be permitted to obtain photocopy of the Answer Book on request on payment of the prescribed fee. All examiners / Head Examiners are once again reminded that they must ensure that evaluation is carried out strictly as per value points for each answer as given in the Marking Scheme.
4. All the Head Examiners/Examiners are instructed that while evaluating the answer scripts, if the answer is found to be totally incorrect, the (x) should be marked on the incorrect answer and awarded '0' marks.
5. Details of Question Paper :
   Practical Exam = 20 Marks
   Theory Exam= 80 Marks
   Questions 1 to 14 are of 2 marks each.
   Questions 15 to 21 are of 4 marks each.
   Questions 22 to 24 are of 6 marks each.
   Questions 25 is a passage having questions of 2 & 4 marks.

Instructions for Evaluators –

1. Evaluators have to be conscious of the fact that many of the topics are overlapping with text in history, political science & economics therefore the students may use information from the above to answer some questions. So these should be considered.

2. Evaluator must consider the students own language and expression while checking answer scripts in accordance with "value points", given in the marking scheme.

समाज शास्त्र (039)
सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा
मार्च - 2016
अंक योजना - 62/1

सामान्य निर्देश

1) मूल्यांकन योजना केवल सुझाव मात्र है न कि पूरे उत्तर हैं। विद्यार्थी अपने विचार दे सकता है, यदि वे प्रश्न से मेल खाते हैं तो उसी के अनुसार अंक प्रदान करें।

2) माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार विद्यार्थी अपनी उत्तर पुस्तिका की फोटो कापी ले सकता है, अतः मूल्यांकन कर्ताओं से निवेदन है कि उत्तरों की जाँच, मूल्यांकन योजना एवं पाठ्यक्रम के अनुसार ही करें ताकि विद्यार्थी के साथ न्याय हो।

3) सभी परीक्षकों से निवेदन है कि यदि पूरा उत्तर गलत हो तो, उस पर क्रास (X) लगाऐं तथा जीरो अंक प्रदान करें।

प्रश्न सं०	अपेक्षित उत्तर / मूल्य बिन्दु	अंक विभाजन
1	पराश्रिता अनुपात का अर्थ बताइये। पराश्रिता अनुपात - यह जनसंख्या के पराश्रित और कार्यशील हिस्सों को मापने का साधन है। (पराश्रित वर्ग में ऐसे बुजुर्ग लोग आते हैं जो अपने बुढापे के कारण और ऐसे बच्चे भी जो इतने छोटे हैं कि काम नहीं कर सकते) कार्यशील वर्ग में आम तौर 15 से 64 वर्ष की आयु के लोग होते हैं।	2
2	पूँजी के वे तीन रूप क्या हैं जिन पर सामाजिक असमानता आधारित है? सामाजिक संसाधन पूँजी को तीन रूपों में विभाजित किया जा सकता है।	2

	1. आर्थिक पूँजी 2. सांस्कृतिक पूँजी 3. सामाजिक पूँजी (पूछे गए प्रश्न के आधार पर तीन नाम ही पर्याप्त हैं। विस्तृत वर्णन के लिए भी विद्यार्थी को अंक दिए जाए।)	
3.	दो कारकों का उल्लेख कीजिए जो क्षेत्रवाद को बढ़ावा देते हैं। क्षेत्रवाद को प्रोत्साहित करने वाले दो कारण- 1. भौगोलिक संकेंद्रण। 2. क्षेत्रीय वंचन का भाव। 3. भाषा, धर्म, संस्कृति, जनजातीय पहचान तथा नृजातीय-क्षेत्रीय पहचान बनाने के लिए एक अत्यन्त सशक्त साधन का काम किया है। (अन्य उपयुक्त बिन्दु)	1+1
4	सामुदायिक पहचान किन मापदण्डों के आधार पर बनती है? सामुदायिक पहचान के मापदण्डों के आधार- 1. जन्म के आधार पर। 2. न कि किसी अर्जित योग्यता या उपलब्धि के आधार पर। (अन्य उपयुक्त बिन्दु)	1+1
5	संस्कृतीकरण का अर्थ लिखिए। संस्कृतीकरण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा (आमतौर पर मध्य या निम्न) जाति के सदस्य किसी उच्च जाति या (जातियों) की धार्मिक क्रियाओं, घरेलू या सामाजिक परिपाटियों को अपनाकर अपनी सामाजिक प्रस्थिति को ऊँचा करने का प्रयत्न करते हैं।	2

	अथवा एम॰ एन॰ श्री निवास के अनुसार – संस्कृतिकरण का अभिप्राय उस प्रक्रिया से है जिसमें निम्न जाति या अन्य समूह उच्च जातियों विशेषकर, द्विज जाति की जीवन पद्धति, अनुष्ठान, मूल्य, आदर्श, विचारधाराओं का अनुकरण करते हैं। (कोई एक)	
6	विकेन्द्रित लोकतन्त्र से आप क्या समझते हैं? • सत्ता का उच्च स्तर से निम्न स्तर तक प्रसंसकरण करना जिससे उन्हें अवगत समस्याओं पर निर्णय लेने का अवसर मिले। • यह एक ऐसी व्यवस्था है जिसमें महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए किसी समूह या समुदाय के सभी सदस्य एक साथ भाग लेते हैं। • यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें निम्न स्तर पर चुनी हुई लोकतांत्रिक संस्थाओं को कार्य, संसाधन और निर्णय लेने की शक्ति प्रदान की गई है। (कोई दो) (अन्य उचित बिन्दु)	1+1
7.	ग्रामीण समाज में आत्मघाती (मैट्रिक्स) घटनाएँ किस प्रकार घटती है? आत्मघाती घटनाएँ – • ऐसी आत्महत्याएँ, मैट्रिक्स घटनाएँ बन गई हैं, अर्थात जहाँ कारकों की एक श्रृंखला मिलकर एक घटना बनती है। • कर्ज का बोझ उठाने में असमर्थ। • फसल का ना होना / सब्सिडी घटाना या हटाना। (कोई दो या अन्य उचित बिन्दु)	1+1

	• नुकसान के कारण सामाजिक जिम्मेदारी उठाने में असमर्थ। (कोई दो- अन्य उचित बिन्दु)	
8	'समय की चाकरी' औद्योगिक समाज को किस प्रकार से प्रभावित करती है ? समय की चाकरी- • औसतन 10-12 घंटे का कार्य दिवस। • कर्मचारी का रात भर कार्य करना असामान्य बात नहीं है, (नाइट आउट) जब उनकी परियोजना की अंतिम सीमा आ जाती है। • लम्बे कार्य घंटो का होना, बाह्य स्त्रोतों की कार्य संरचना में अधिक कार्य का होना। कुछ हद तक इसका कारण भारत और ग्राहक देश के बीच समय की भिन्नता का होना है। • फ्लैक्सी-टाइम - कार्य कर्ता को अपने कार्य के घंटे नियत करने की छूट। • लेकिन इसके बावजूद भी जब उनके पास वास्तव में कार्य का दबाब नहीं होता तब भी वे अपने साथियों के दबाब अथवा अपने अधिकारियों को कड़ी मेहनत दिखाने के लिए आफिस में देर तक रुक जाते है। (कोई दो- अन्य उचित बिन्दु)	1+1
9.	भूस्थानीकरण का अर्थ क्या होता है ? भूस्थानीकरण- • भूमण्डलीय के साथ स्थानीय का मिश्रण। • यह एक ऐसी रणनीति है जो अक्सर विदेशी फर्मों द्वारा अपना बाजार बढ़ाने के लिए स्थानीय परम्पराओं के साथ व्यवहार में लाई जाती है। (कोई एक)	2

10	फ़ोर्डवाद (फ़ोर्डिज़्म) में उत्पादन और सामान के क्रय-विक्रय को किस प्रकार प्रभावित किया है ? **फ़ोर्डिज़्म** • हैनरी फ़ोर्ड ने आरम्भ किया। • कारों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए एसेंबली लाइन पद्धति को अपनाया। • उद्योगपतियों एवं राज्यों दोनों के द्वारा कामगार को बेहतर दिहाड़ी और समाज के लिए कल्याणकारी नीतियों को लागू किया गया। (कोई दो)	1+1
11	'निगम (कारपोरेट) संस्कृति' ने समाज को कैसे परिवर्तित किया है ? **निगम संस्कृति** • निगम संस्कृति प्रबंधन सिद्धान्त की एक ऐसी शाखा है जो उत्पादकता और प्रतियोगितात्मकता को बढ़ावा देती है। • फर्म के सभी सदस्यों को साथ लेकर चलती है। • कर्मचारियों में वफ़ादारी की भावना को बढ़ाती है, और सामूहिक एकता को प्रोत्साहन देती है। • काम करने का तरीका, उत्पादों को बढ़ाना तथा पैक कैसे किया जाए यह भी बताती है। (कोई दो – अन्य उचित बिन्दु)	1+1
12.	**किसान आंदोलन के दो उदाहरण दीजिए।** • तिभागा आंदोलन। • तेलंगाना आंदोलन।	1+1

	• बंगाल विद्रोह। • दक्कन विद्रोह। • बारदोली सत्याग्रह। • असहयोग आंदोलन। • चम्पारन सत्याग्रह। (कोई-दो)	
13.	ऐसे दो कारण लिखिए जो दलित आंदोलन के बढ़ने के लिए ज़िम्मेदार हैं। • आत्म-सम्मान तथा समानता का संघर्ष। • अस्पृश्यता उन्मूलन। • अस्पृश्यता द्वारा उपलक्षित कलंक को समाप्त करने का संघर्ष। • मानव के रूप में पहचान प्राप्त करने के संघर्ष। • आत्म-निर्णय का स्थान पाने का संघर्ष। • आत्म-विश्वास के लिए संघर्ष। • आर्थिक तथा राजनीतिक शोषण। (कोई 2 - अन्य उचित बिन्दु)	1+1
14.	पर्यावरण संबन्धी आंदोलन क्यों होते हैं? • पहले से ही घटते प्राकृतिक संसाधनों का शोषण। • राष्ट्रीय विकास के नाम पर जनजातीय लोगों से उनकी जमीन छिनने की प्रक्रिया शुरु हो गई। [अन्य उपयुक्त उदाहरण - पर्यावरण आंदोलन से संबन्धित।]	2

15.	भारत में जनसांख्यिकी लाभांश की मुख्य विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। • कार्यशील लोगों की (15 वर्ष से 64 वर्ष) वर्तमान पीढ़ी अपेक्षाकृत बड़ी है। • उसे एक छोटे समूह - वृद्ध वर्ग को सहारा देना होता है। • छोटे बच्चों को भी सहारा देना होता है जो काम नहीं कर सकते। • यह एक आर्थिक संवृद्धि तथा समृद्धि का स्रोत है। (अन्य उपयुक्त बिन्दु)	1+1+1+1
16.	स्वतन्त्रता के पश्चात आदिवासी संघर्ष के मुख्य मुद्दे क्या थे? • भूमि तथा वन्य संपदाओं का अपहरण। • सांस्कृतिक पहचान से सम्बन्धित मुद्दे। • विकास परियोजनाओं के नाम पर बार-बार विस्थापन। • बाहरी लोगों द्वारा शोषण (जिन्हें डिकु कहा जाता था) • उपद्रवग्रस्त क्षेत्र घोषित करना। • अलग राज्य की मांग इत्यादि। • पर्याप्त मुआवजे और समुचित पुनर्वास की व्यवस्था किए बिना विस्थापित करना	1+1+1+1
17.	साम्प्रदायिकता अभी भी हमारी एकता और सामंजस्य के लिए एक चुनौती क्यों है? • धार्मिक पहचान पर आधारित आक्रामक उग्रवाद। • उग्रवाद अपने आप में एक ऐसी अभिवृत्ति है जो अपने समूह को ही वैध या श्रेष्ठ मानती है।	1+1+1+1

	। और अन्य समूहों को निम्न, अवैध तथा विरोधी समझती है। • साम्प्रदायिकता एक आक्रामक राजनीतिक विचारधारा है जो धर्म से जुड़ी होती है। • साम्प्रदायिकता राजनीति से सरोकार रखती है धर्म से नहीं। • ~~सम्प्रदायवादी~~ आक्रामक राजनीतिक पहचान बनाते हैं और ऐसे प्रत्येक व्यक्ति की निंदा करने या उस पर आक्रमण करने को तैयार रहते हैं जो उनकी पहचान का साझेदार नहीं होता। (घटना से संबंधित अन्य उचित उदाहरण)	
18.	जातिवाद ने राजनीति को कैसे प्रभावित किया है? • विभिन्नताओं को उजागर करता है/प्रकाश डालता है। • जाति पर आधारित निर्वाचन - वोट बैंक को बढ़ावा देता है। • प्रतिनिधियों का चुनाव उनकी काबलियत पर नहीं बल्कि जाति पर आधारित होता है। • जाति पर आधारित राजनीतिक दलों का निर्माण होता है। • जाति एक दबाव समूह का काम करती है।	1+1+1+1
19.	पंचायत की शक्ति (अधिकार) एवं उत्तरदायित्वों को विस्तार से स्पष्ट कीजिए। • आर्थिक विकास के लिए योजनाएँ व कार्यक्रम बनाना। • सामाजिक न्याय को प्रोत्साहित करने वाले कार्यक्रमों को बढ़ावा देना। • शुल्क, यात्री कर, जुर्माना, अन्य कर आदि लगाना व एकत्र करना।	1+1+1

- सरकारी उत्तरदायित्वों के हस्तांतरण में सहयोग करना, विशेष रूप से वित्त को स्थानीय अधिकारियों तक पहुँचाना।
- सामाजिक कल्याण के कार्यों में शामिल है जन्म और मृत्यु के आँकड़े रखना, शमशानों और कब्रिस्तानों का रखरखाव रखना।
- परिवार नियोजन का प्रचार और कृषि-कार्यों का विकास।
- सड़कों के निर्माण, सार्वजनिक भवनों का निर्माण, तालाबों व स्कूलों के निर्माण जैसे विकासात्मक कार्य भी इसी में शामिल है।
- एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम, एकीकृत बाल विकास योजना आदि पंचायत के सदस्यों द्वारा संचालित होती हैं।

(कोई चार)

20.a स्वतंत्रता के पश्चात भारतीय कृषि पर भूमि सुधारों के प्रभाव को स्पष्ट कीजिए। 1+1+1+1

भूमि सुधारों के प्रभाव

- जमींदारी व्यवस्था को समाप्त करना - कृषक और राज्यों के बीच में बिचौलियों का समाप्त होना।
- पट्टेदारी का उन्मूलन और नियंत्रण या नियमन अधिनियम - पट्टेदारी को पूरी तरह हटाने का प्रयत्न या किराये के नियम बनाये ताकि पट्टेदार को पूरी सुरक्षा मिल सके।
- भूमि की हदबंदी अधिनियम - एक विशिष्ट परिवार के लिए जमीन रखने की उच्चतम सीमा तथा अतिरिक्त भूमि अधिग्रहित कर, भूमिहीन परिवारों को तय की गई श्रेणी के अनुसार पुनः वितरित करना।

	• **बेनामी बदल** = अधिकतर मामलों में भूमि-स्वामियों ने अपनी भूमि रिश्तेदारों या नौकरों के बीच विभाजित कर दी जिसमें उन्हें जमीन पर नियंत्रण करने का अधिकार दिया गया। (वास्तव में उनके नाम नहीं किया)	
	अथवा	
20 b	स्वतंत्रता के पश्चात ग्रामीण समाज में आए परिवर्तनों पर संक्षेप में प्रकाश डालें।	1+1+1+1
	स्वतन्त्रता के बाद ग्रामीण समाज में परिवर्तन • गहन कृषि के कारण कृषि मजदूरों की बढ़ोत्तरी। • भुगतान में समान (अनाज) के स्थान पर नगद भुगतान। • पारंपरिक बंधनों में शिथिलता अथवा भूस्वामी एवं किसान या कृषि मजदूरों के मध्य पुश्तैनी सम्बन्धों में कमी होना। • पूंजीवाद कृषि की ओर एक बदलाव। • ग्रामीण क्षेत्र भी विस्तृत अर्थव्यवस्था से जुड़ते जा रहे थे। • कृषि की आधुनिक पद्धतियों तथा अर्थव्यवस्था को आधुनिकीकरण का प्रयास। • नए उद्यमी समूहों का उदय। • नए क्षेत्रीय अभिजात वर्गों का उदय। (कोई चार)	
21 a.	प्रवासी मजदूरों द्वारा झेली जा रही समस्याओं की चर्चा कीजिए।	1+1+1+1
	• बढ़ती असमानताएं। • संरक्षण से शोषण की ओर बदलाव।	

	• न्यूनतम मजदूरी। • बड़े काम के घंटे। • खराब कामकाजी स्थितियाँ। • तंग, अस्वच्छ रहने की स्थिति। • न्यूनतम लाभ - बच्चों के स्वास्थ्य चिकित्सा, शिक्षा इत्यादि। • कार्य असुरक्षा / नौकरी की असुरक्षा। • बाध्यकारी अनुबंध जो सामान्यतः उनके लिए अनुचित है। • उनके मूल स्थान से अलग कर देना। • आसानी से शोषण। • मौसमी माँग के अनुसार काम। (कोई चार)	
21 b.	भारत में नौकरी की भर्ती के प्रमुख स्रोतों की विवेचना कीजिए। • समाचार पत्र। • रोजगार कार्यालय। • ठेकेदार। • बाह्य स्रोत। • इन्टरनेट। • मोबाइल फोन। • व्यक्तिगत सम्बन्ध।	1+1+1+1
22. a	'जाति संस्था कई मामलों में दृश्य और अदृश्य दोनों है,' उपयुक्त उदाहरणों के साथ इस कथन की विवेचना कीजिए।	3+3
दृश्य –	• जाति व्यवस्था उच्च जातियों, नगरीय मध्यम और उच्च वर्गों के लिए 'अदृश्य' होती जा रही है। • ऊँची जातियों के संभ्रांत लोग - राजकीय क्षेत्र की नौकरियों का लाभ उठा रहे हैं। • इस समूह के लिए, सार्वजनिक जीवन में जाति की कोई भूमिका नहीं है, वह व्यक्तिगत जीवन तक ही सीमित है।	

	अदृश्य - • अनुसूचित जातियों और जनजातियों तथा पिछड़े वर्ग के लिए जाति और अधिक दिखने वाली हो गई। • आरक्षण की नीतियों और राजनीतिक दबाव में आकर राज्य द्वारा उन्हें दिए गए अन्य संरक्षण उनके जीवन को बचाने वाले उपाय हैं। • संस्थापित उच्च जाति समूह के साथ प्रति-स्पर्धा में उतरने के लिए वो अपनी जातीय पहचान को नहीं छोड़ सकते।	
	अथवा	
22 b	जाति व्यवस्था किन नियमों और विनियमों को अपने सदस्यों पर लागू करती है? जाति की सामान्य निर्धारित विशेषताएँ - • जाति जन्म से निर्धारित होती है। • विवाह से सम्बन्धित कठोर नियम - सजातीय विवाह। • खाने और खाना बाँटने के नियम। • जाति में श्रेणी एवं प्रस्थिति - (शुद्धता एवं अशुद्धता) • जातियों में आपसी उपविभाजन। • व्यवसाय से जुड़ी जातियाँ। (उदाहरण सहित व्याख्या)	1+1+1+1+1+1
23	'उदारीकरण की नीति द्वारा हमारे समाज में परिवर्तन आया है।' विस्तार से समझाइए। • विश्व व्यापार संगठन में भागीदारी - स्वतन्त्र अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था। • भारतीय बाजार को आयात के लिए खोलना। • वैश्विक बाजार के साथ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना। • संरक्षित बाजारों तथा राज्यों के सहयोग का आदरण।	1+1+1+1+1+1

	• बहुराष्ट्रीय कम्पनियों का आगमन। उदाहरण - कृषि में ठेकेदारी, उपभोक्ता वस्तु इत्यादि। • सार्वजनिक क्षेत्रों में कमी तथा निजी क्षेत्रों में वृद्धि। • सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आर्थिक सुधार - कृषि, व्यापार, औद्योगिक, विदेशी निवेश इत्यादि। • सांस्कृतिक परिवर्तन। • वैश्विक बाजार से वैश्विक गाँवों तक का एकीकरण। (कोई 6: व्याख्या करें)	
24	उपनिवेशवाद ने नगरीकरण को बढ़ावा देने के लिए भारतीय समाज को किस प्रकार से सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक रूप से प्रभावित किया है ? सामाजिक • पश्चिमी शिक्षा। • स्कूलों में 'नेक टाई' पोशाक। • ब्रेड - आमलेट और कटलेट जैसी खाने की चीजें। • मजदूरों को चाय बागानों तथा अन्य औपनिवेशिक क्षेत्रों में भेजना। • पुराने शहरी केन्द्रों का पतन। • भारतीय राज्यों ने अपने न्यायालय, शिल्पकार तथा सभ्य वर्ग को खो दिया। • ग्रामीण शिल्प, परंपरागत माल में गिरावट आई। • नए सामाजिक समूहों का उद्भव। आर्थिक • परंपरागत से होने वाला रेशम और कपास का उत्पादन और निर्यात मैनचेस्टर प्रतियोगिता में गिरता चला गया।	2+2+2 =6

- ब्रिटिश औद्योगीकरण के प्रारम्भिक समय में ज्यादातर लोगों को कृषि की ओर जाना पड़ा।
- शहरों में जहाँ यांत्रिक उद्योग लगाए गए थे, लोगों की जनसंख्या बढ़ने लगी।
- समुद्री-तटीय शहर उभरे - आयात-निर्यात आसान हुआ।
- नए सामाजिक समूहों का उद्भव हुआ।

राजनीतिक

- हमारे देश में संस्थापित संसदीय, विधि एवं शिक्षा व्यवस्था ब्रिटिश प्रारूप व प्रतिमानों पर आधारित है।
- हमारे, सरकारी भवन ब्रिटिश संरचना पर है।
- पाश्चात्य शिक्षा से राष्ट्रवाद का उदय हुआ।

राष्ट्र • राष्ट्र-राज्यों ने भी सशक्त एवं प्रबल राजनीतिक रूप लिया।

(अन्य उपयुक्त बिन्दु)

25. अनुच्छेद | 1+1=2

पिछले कुछ वर्षों में मीडिया में परिवर्तन - | 1+1+1+1=4

- जनसंचार के तरीकों का तेजी से फैलना।
- आधुनिक प्रौद्योगिकी।
- बहु-भाषाई।
- अत्यधिक संख्या तक पहुँचना।
- सभी की पहुँच में होना।
- मनोरंजन का साधन।
- वैश्विक जुड़ाव।

मीडिया समाज के कमजोर वर्गों का प्रतिनिधित्व करने में कैसे सफल हो सकता है?

- विभिन्न विकास के कार्यों के बारे में जानकारी।
- अंधविश्वासों के विरुद्ध लड़ने को प्रोत्साहित करना।
- मत/राय को रखने का एक मंच है।
- विभिन्न कार्यक्रमों से अवगत करना – मनोरंजन, शिक्षा, कृषि के तरीकों का जानना, नागरिकों के अधिकार इत्यादि।
- कमजोर वर्ग के पास भी मीडिया के लाभ से वंचित रहने का कोई ठोस कारण नहीं है।

(अन्य उपयुक्त बिन्दु)

(कोई चार)